अध्याय 5

सारांश

भूगोल शिक्षण के पाठ को अधिक रूचिकर, उपयोग एवं प्रभावशाली बनाने हेतु शिक्षण अधिगम सामग्री (टी.एल.आर.) का प्रयोग करना अत्यन्त आवश्यक है। इसका प्रयोग करने से कक्षा का वातावरण अधिक सक्रिय होता है तथा शिक्षक एवं विद्यार्थियों के मध्य अन्तः क्रिया की अधिक होती है । यह सामग्री प्रतिभाशाली तथा मन्दबुद्धि दोनो ही तरह के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग से बालकों के चिन्तन एवं अधिगम में गति और स्पष्टता आती है। विद्यार्थियों में सामाजिक अध्ययन शिक्षण के सूक्ष्मततः प्रत्ययों, सूत्रो, नियमों आदि को सीखने एवं समझने की क्षमता का विकास होता है। अतः इनकी सहायता से प्राप्त किया ज्ञान अधिक अर्थपूर्ण एवं स्थायी होता है।

अभ्यास प्रश्न –

1). भूगोल अध्ययन में शिक्षण अधिगम स्त्रोंत (टी.एल.आर..) से आप क्या समझते है ? शिक्षण अधिगम स्त्रोत का वर्गीकरण कीजिये।

2). भूगोल अध्ययन विषय के कक्षा–शिक्षण में प्रयोग होने वाले विभिन्न शिक्षण अधिगम स्त्रोत का वर्णन कीजिये।

3). दृव्य–श्रव्य सामग्री का महत्व बताइये।

4). शिक्षण अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं प्रयोग में सावधानियों का वर्णन कीजिये।

5). शिक्षण में टेलीविजन एवं कम्प्यूटर की उपयोगिता बताइये।

6). सामुदायिक साधनों को शिक्षण अधिगम में महत्व बताईये।

7). संस्कृति में किन–किन वस्तुओं को स्थान दिया जाता है।

8). भूगोल अध्ययन शिक्षण में सामुदायिक साधनों का प्रयोग कैसे किया जाता है।

9). सामुदायिक साधनों के विभिन्न स्त्रोंतो के नाम लिखिये तथा अध्ययन में उनके प्रयोग का वर्णन कीजिये।

10). शिक्षण में एटलस एवं ग्लोब के महत्व को स्पष्ट कीजिये।

11). दृश्य श्रव्य की उपयोगिता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

12). भूगोल अध्ययन के शिक्षण के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री के महत्व को स्पष्ट कीजिये। विषय को सरलतापूर्वक पढ़ाने के लिए इनका प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है।

13). भूगोल अध्ययन में कुछ आधुनिक शिक्षण अधिगम स्त्रोतों की विवेचना कीजिये।

14). भूगोल अध्ययन में कम लागत शिक्षण अधिगम स्त्रोंतो के महत्व का वर्णन कीजियें।

15). शिक्षण अधिगम स्त्रोतों की उपयोगिता पर संक्षिप्त नोट लिखिये।